दैनिक भास्कर महानगर गुरुवार नागपुर | 9

कोल्ड स्टोरेज में आग, माल खाक

» व्यापारियों का करोड़ों का नुकसान » 24 घंटे बाद भी नहीं बुझी आग

अपराध संवाददाता | नागपुर

कापसी क्षेत्र के कोल्ड स्टोरेज में मंगलवार की देर रात भीषण आग लग गई, जिससे करोड़ों का माल जल कर खाक हो गया। इससे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। कोल्ड स्टोरेज में कई व्यापारियों का माल रखा हुआ था। हादसे के 24 घंटे बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। करीब दर्जन भर दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने का प्रयास करती रहीं।

भंडारा मार्ग स्थित महालगांव कापसी में चार मंजिला गणेश कोल्ड स्टोरेज है। बुधवार व मंगलवार की रात करीब डेढ़ बजे कोल्ड स्टोरेज से धुआं उठते देखा गया। परिसर में और दो कोल्ड स्टोरेज होने से मौजूद सुरक्षा रक्षकों को हादसे का जल्दी पता नही चल सका, जिससे अंदर ही अंदर आग सुलगती रही। स्टोरेज के पूरी तरह से आग की चपेट में आने के बाद इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद दमकल विभाग और कोल्ड स्टोरेज के मालिक रवि जैन व जिन व्यापारियों का इसमे माल था उन्हें सूचना दी गई। व्यापारी प्रशांत कटारिया, मयंक जैन, प्रकाश कटारिया, हस्तीमल कटारिया आदि मौके पर पहुंचे। हादसे की भीषणता को देखते हुए शहर के सभी दमकल केंद्रों से वाहनों को बुलाया गया था। लगभग दर्जन भर वाहनों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। इसके बावजूद हादसे के 24 घंटे बाद भी आग का धधकना जारी था।

कोल्ड स्टोरेज की गलतियों ने बढ़ाई अग्निशमन की मुश्किलें

अग्निशमन उपकरण नहीं थे इमारत में

नागपुर | सुरुची मसाले के महालगांव कापसी खुर्द स्थित श्री गणेश फ्रीजिंग एंड कोल्ड स्टोरेज में लगी भीषण आग ने 5 मंजिला इमारत में अग्निशमन के मानदंडों की कई खामियों को उजागर किया है। गौरतलब है कि 7 मई की मध्यरात्रि 1.35 मिनट पर 15 मीटर ऊंची व 30 मीटर चौड़ी इमारत में भीषण आग लग गई, जिस पर काबू पाने के लिए मनपा के अग्निशमन दल की 10 गाड़ियों का सहारा लेना पड़ा। मिर्च मसालों से पटे पड़े इस कोल्ड स्टोरेज में अग्निशमन सुरक्षा उपकरण विभाग को नदारद मिले। साथ ही आवागमन के लिए 5 मंजिला इमारत में एक ही सीढ़ियों के मार्ग की व्यवस्था रखी गई है, जिससे आग के दौरान राहत कार्य में अड़चनें आईं। असल में पांच मंजिला इमारत में सुरक्षा के लिहाज से फायर एक्जिट मार्ग रखना अनिवार्य होता है। साथ ही गोडाउन या कोल्डस्टोरेज जैसी जगहों में अग्निशमन के उपकरण रखना भी निहायती जरूरी होता है, जबकि इमारत में इन दोनों चीजों की अवहेलना से राहत कार्य में अग्निशमन विभाग को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। साथ ही कोल्ड स्टोरेज की गलत बनावट से आग लगने के दौरान उठे धुएं के निकास के लिए जगह न होने से भी आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन कर्मचारियों को लंबा संघर्ष करना पड़ा। घटनास्थल में जिलाधिकारी सौरभ राव, मनपा आयुक्त श्याम वर्धने, महापौर अनिल सोले, सत्तापक्ष नेता प्रवीण दटके, पार्षद चेतना टांक व अन्य मौजूद थे। आग की भीषणता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेंद्र उचके के मार्गदर्शन में कलमना अग्निशमन की एक गाड़ी लकड़गंज अग्निशमन डिपो की दो गाड़ियां, सक्करदरा अग्निशमन डिपो से एक, सिविल लाइन अग्निशमन डिपो से 3 व गंजीपेठ अग्निशमन डिपो से 1 वाहन की मदद ली गई।

दीवारों में किए होल

मौके पर पहुंचने के बाद भी दमकल कर्मियों को काफी समय तक हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना पड़ा। चार से पांच मंजिला दिखने वाले इस कोल्ड स्टोरेज में भीतर जाने के लिए आपातकालीन मार्ग नहीं था, जिससे दमकल कर्मियों को परेशानी हुई। भीतर से आग बुझाना संभव नहीं था, लिहाजा शुरुआती दौर में हाइड्रोलिक सीढ़ी व समीप के स्टोरेज की छत से आग पर पानी की बौछारें छोड़ी गईं। दोपहर तक यही सिलसिला चलता रहा। इसके बाद भी आग का धधकना जारी था। बाद में दीवारों में होल कर आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। बताया गया कि कोल्ड स्टोरेज में मिर्ची, हल्दी, चना, दाल, सूखा मेवा, मसाले आदि करोड़ों का माल रखा था।

नियमों को ताक पर रख कर निर्माण

सूत्रों के अनुसार कोल्ड स्टोरेज का निर्माण नियमों को ताक पर रख कर हुआ है। दमकल विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र भी नहीं लेने की जानकारी दी गई है। यहां तक अग्निशमन यंत्र की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं थी। इसकी ऊंचाई लगभग 15 मीटर से अधिक है। स्टोरेज में चारों ओर से पक्की दीवारें हैं। मार्ग संकरा है। हादसे के दौरान दरवाजे भीतर से बंद थे। संदेह है कि शार्ट-सर्किट से आग लगी है, जबकि यह भी माना जा रहा है कि क्षमता से अधिक माल रखे जाने से गर्मी के चलते बोरे ने आग पकड़ ली। इस संबंध में कोल्ड स्टोरेज से संबंधित व्यक्ति से संपर्क करने का प्रयास किया गया, परंतु हादसे को लेकर उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।